राजस्थान सरकार
विज्ञान एंव प्रौद्योगिकी विभाग

नागरिक अधिकार पत्र

मूल्य

यह विभाग अनुसंधान तथा विकास के लिए उत्कृष्ट बुनियादी सुविधाओ का सृजन कर राज्य तथा समाज एवं राज्य की चुनौतियो का सामना करने के लिये विश्वस्तरीय अनुसंधान शुरू करने के लिये वैज्ञानिको एवं प्रौद्योगिकीविदो को प्रोत्साहित कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के संवर्धन के प्रति वचनबद्ध है।

मानक

- विभाग व्यापक स्तर पर समुदाय तथा विशेष रूप से वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीविदो की आकांक्षाओ को पूरा करने के लिए एक प्रयोक्ता अनुकूल दृष्टिकोण अपना कर अधिकार–उन्मुखी तौर पर कार्य करता है।
- आकलित प्रसंस्करण समय घोषित कर सुपरिभाषित प्रक्रियाओ को अपनाना, लिये गये निर्णय विशेषज्ञ समितियो की सिफारिशो पर आधारित होते है जिनमे बाहर के विशेषज्ञ भी शामिल है।
- कार्यक्रमो तथा गतिविधियो की पहुंच व्यापक है।
- विभाग में स्थापित शिकायत निपटान कार्यतंत्र के माध्यम से शिकायतो का शीघ्र निष्पादन करने हेतु तत्पर।
- अपने सभी कार्यकलापो में अत्यन्त पारदर्शी, सदैव सक्षम एवं विनम्र तथा सभी प्रकार के निर्णय लेने में प्रतिभा को मानदंड के रूप में सुनिश्चित करना।
- नियमित अतंराल पर इनकी गतिविधियो की समीक्षा और मानीटरिंग के लिए सर्वोत्तम कार्यतंत्र।
- सभी अतिविशिष्ट व्यक्तियो से प्राप्त संदर्भो का 15 दिनो के अन्दर निपटाना।

वचनबद्धतां

- बुनियादी अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास, वैज्ञानिक सेवाओ तथा सामाजिक विकास में चुनौतिपूर्ण मांगो को पूरा करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी अवसंरचनात्मक सुविधाओ में वृद्दि करना।
- अनुसंधान तथा विकास को अपनाने हेतु युवा प्रतिभाओ को आकर्षित करने के लिए समुचित शर्तो का सृजन।
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अग्रणी क्षेत्रो में अनुसंधान तथा विकास के विश्वस्तरीय उत्कृष्टता वाले केन्द्र विकसित करना।
- किसी आविष्कार और इसके वाणिज्यीकरण के बीच समय अतंराल को कम करने के लिए उपयुक्त कार्यतंत्र विकसित करना।

- राज्य के सामाजिक एवं आर्थिक विकास विशेषकर, पिछड़ेपन एवं बेरोजगारी की समस्या के निराकरण हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का उपयोग।
- राज्य में अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को उद्देश्यपूर्ण ढंग से प्रोत्साहित करना एवं सहयोग प्रदान करना।
- पारम्परिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की क्षमताओं को चिन्हित कर, जहॉ सम्भव हो उसे आधुनिक रूप देना एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को जनसामान्य के दैनिक जीवन का भाग बनाया जाना।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को प्रौन्नत करने के लिए संस्थानों को चिन्हित करना एवं उनको सहयोग प्रदान करना।
- भारत सरकार एवं उनके द्वारा स्थापित अन्य स्वायत्त निकायों के सहयोग से परियोजनाओं के निर्माण को सम्मिलित करते हुए राज्य में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विकास हेतु लघु एवं दीर्घ अवधि की परियोजनाओं का निर्माण।
- विश्व बाजार में बढ़ती हुई प्रतिस्पर्धा का मुकाबला करने के लिये अनुसंधान एवं विकास में औद्योगिक निवेश को आकर्षित करना।

सूचना का अधिकार

विभाग के द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की अनुपालना सुनिश्चित की गई है।

सूचना का अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत प्राप्त होने वाले आवेदन के निस्तारण के क्रम में विभाग द्वारा सुसंगत व्यवस्था की गई है। जिसके अन्तर्गत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, मुख्यालय जयपुर एवं जोधपुर स्थित स्टेट रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर के लोक सूचना अधिकारी नियुक्त किये गये है।

विभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों के स्तर पर अधिनियम की पालना हेतु क्षेत्रीय कार्यालय, जोधपुर/बीकानेर/उदयपुर/कोटा/अजमेर, मुख्यालय जयपुर के प्रभारी अधिकारियों को सहायक लोक सूचना अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अन्तर्गत प्राप्त अपीलों के निर्धारण हेतु अपीलीय प्राधिकारी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रमुख शासन सचिव/शासन सचिव है।

आवेदन शुल्क प्रार्थना पत्र के साथ – 10/रू. का पोस्टल ऑडर,
अभिलेखों व निरीक्षण के लिए – प्रथम घंट कोई फीस नहीं प्रत्येक 15 मिनट या उसके भाग के लिए 5/–
प्रतिलिपि ए–4 या ए–3 आकार में – 2/–रूपये
प्रतिलिपि बड़े आकार में – वास्तविक प्रभार अथवा लागत कीमत
सैम्पल या मॉडल के लिए – वास्तविक लागत कीमत
डिस्क या फलोपी में – 50/ – प्रति डिस्क प्रति फलोपी
मुद्रित सूचना के लिए – नियत मूल्य या प्रकाशन के उद्धरणों की प्रति पृष्ठ फोटो के लिए 2 रू.

निर्देशन एवं प्रशासन

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का निदेशालय मिनी सचिवालय, जयपुर में स्थित है। विभाग द्वारा संचालित राज्य सुदूर संवेदन उपयोग केन्द्र, जोधपुर में स्थित है जहां विशिष्ठ प्रशिक्षित वैज्ञानिक कार्यरत है। इसके अतिरिक्त उदयपुर, बीकानेर, कोटा, अजमेर (मुख्यालय जयपुर) एवं जोधपुर में स्थापित क्षेत्रीय कार्यालय तथा कोटा, उदयपुर एवं बीकानेर मे स्थित विज्ञान केन्द्र विभागीय कार्यक्रमों को गति प्रदान करते हैं। प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण एवं विज्ञान लोकप्रियकरण की अनेक गतिविधियां, ग्रामीण प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केन्द्रो व विज्ञान ग्रामों के द्वारा सम्पादित की जा रही है।

विज्ञान एंव प्रौद्योगिकी विभाग

संस्थागत संरचना

⇩

माननीय मंत्री

⇩

प्रमुख शासन सचिव

⇩

उप शासन सचिव

⇩

आयुक्त

⇩

परियोजना निदेशक,	परियोजना निदेशक,	परियोजना निदेशक,	मुख्य लेखाधिकारी	उपनिदेशक आयोजना	परियोजना निदेशक, सरसेक
परियोजना अधिकारी	परियोजना अधिकारी	परियोजना अधिकारी	सहायक लेखाधिकारी प्रथम	सहायक सांख्यकी अधिकारी	परियोजना अधिकारी
अनुसंधान अधिकारी	अनुसंधान अधिकारी	अनुसंधान अधिकारी	सहायक लेखाधिकारी द्वितीय		अनुसंधान अधिकारी

गतिविधियां एवं कार्यक्रमः—

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु निम्नलिखित परियोजनायें/इकाईयों का संचालन एवं कार्यक्रम कियान्वित किये जा रहे हैंः—

- **राज्य सुदूर संवेदन उपयोग केन्द्र**
- **विज्ञान संचार एवं लोकप्रियकरण**
- **विज्ञान एवं समाज**
- **विज्ञान उद्यान**
- **उद्यमिता विकास कार्यक्रम**
- **अनुसंधान एवं विकास प्रभाग**

- जैव प्रौद्योगिकी
- पेटेन्ट सूचना केन्द्र

<u>राज्य सुदूर संवेदन उपयोग केन्द्र</u>

सुदूर संवेदन तकनीक के नवीनतम तकनीकी से परिपूर्ण यह केन्द्र राज्य में विकास योजनाओं के निर्माण में सहयोग प्रदान किये जाने हेतु प्राकृतिक संसाधनों का Special & Temporal Data के आधार पर GIS Based Data base तैयार करने में कार्यरत है।

केन्द्र का मुख्य उद्देश्य राज्य मे केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागो तथा गैर सरकारी संस्थानो के लिए राज्य की विकास परियोजनाओ मे सुदूर संवेदन तकनीक के माध्यम से भागीदारी निभाना है। इस उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए केन्द्र की गतिविधियों को मुख्यतः निम्नांकित खण्डो मे विभाजित किया गया :–

- राज्य में अन्तरिक्ष विभाग, भारत सरकार के आर्थिक सहयोग से प्रायोजित परियोजनाओ मे भागीदारी निभाना।
- भारत सरकार, नई दिल्ली के आर्थिक सहयोग से प्रायोजित परियोजनाओ मे भागीदारी निभाना।
- राज्य सरकार के विभिन्न विभागो एवॅ गैर सरकारी संस्थानो द्वारा प्रायोजित परियोजनाओ के निर्माण एवॅ कार्यो के निष्पादन में भागीदारी निभाना।
- राज्य मे सरकारी, गैर सरकारी संस्थानो, विश्वविद्यालय एवं कॉलेज के प्राध्यापको एवं छात्र–छात्राओं (अभियान्त्रिक कॉलेज) को इस तकनीक की जानकारी एवं उपयोगिता इत्यादि हेतु समय–समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रमो का आयोजन करना।

<u>विज्ञान संचार एवं लोकप्रियकरण प्रभाग</u>

राज्य में वैज्ञानिक वातावरण निर्माण, जन–साधारण में वैज्ञानिक रूचि विकसित करने एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनाते हुए दैनिक जीवन को सरल एवं सुलभ रूप से व्यतीत करने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से विभाग द्वारा विज्ञान संचार एवं लोकप्रियकरण प्रभाग के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों को सम्पादित किया जाता है। विभाग द्वारा उपरोक्त उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए निम्न गतिविधियों/कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा हैः–

- विज्ञान केन्द्र द्वारा सम्पादित गतिविधियॉ
- विज्ञान लोकप्रियकरण कार्यक्रमों का आयोजन
- विज्ञान लोकप्रियकरण प्रतियोगितायें
- राज्य विज्ञान प्रतिभा खोज प्रतियोगिता
- राज्य स्तरीय विज्ञान क्विज प्रतियोगिता
- राज्य स्तरीय विज्ञान मॉडल एवं टीचिंग एड् प्रतियोगिता
- विद्यालय विज्ञान क्लब
- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस/राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस
- बाल विज्ञान कांग्रेस
- विद्यालय विज्ञान केन्द्र

विज्ञान एवं समाज प्रभाग

राज्य के उपलब्ध संसाधनों के प्रौद्योगिकी आधारित अनुप्रयोगों के माध्यम से विवेकपूर्ण दोहन एवं राज्य में प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण में जन सामान्य की भागीदारी सुनिश्चित करने के उददेश्य से विभाग के विज्ञान एवं समाज प्रभाग के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

इस प्रभाग के द्वारा सम्पादित की जा रही गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य देश की विभिन्न अनुसंधान संस्थानों एवं प्रयोगशालाओं द्वारा विकसित की जा रही ग्रामोपयोगी तकनीकों/प्रौद्योगिकियों के हस्तान्तरण की उपादेयता का आंकलन कर इन प्रौद्योगिकियों को राज्य के सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में किया जाना है। प्रभाग के अंतर्गत संचालित किये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से राज्य के ग्रामीण दस्तकारों, कर्मकारों एवं जन सामान्य तक नव विकसित प्रौद्योगिकियों की सम्यक जानकारी उपलब्ध कराये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप लक्षित समूह के सामाजिक एवं आर्थिक स्तर में गुणात्मक परिवर्तन लाया जा सके।

विज्ञान एवं समाज प्रभाग के अंतर्गत निम्नांकित योजनाओं का कियान्वयन/संचालन किया जा रहा है :–

- उपयुक्त प्रौद्योगिकी पर पाईलेट/विशिष्ट परियोजनायें
- प्रौद्योगिकी प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण केन्द्र
- विज्ञान ग्राम योजना
- महिलाओ के लिये विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन
- टेक्नोलोजी प्रोक्योरमेंट एण्ड डवलपमेंट आफ साफटवेयर
- विज्ञान एवं समाज प्रभाग की गतिविधियों पर कार्यशाला

विज्ञान उद्यान

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विज्ञान को लोकप्रिय करने के उददेश्य से शास्त्री नगर जयपुर में विज्ञान उद्यान विकसित किया गया है। दिनांक 22 सितम्बर 1998 को उद्घाटन के उपरान्त से ही यह उद्यान जन साधारण में, विशेष कर विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण निर्मित करने व विज्ञान के प्रति रूचि विकसित करने में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान कर रहा है। यहाँ दैनिक क्रिया कलापों में निहित वैज्ञानिक सिद्धान्तों को मॉडल्स के माध्यम से खेल–खेल में समझाया गया है तथा वानस्पतिक महत्वता बताने हेतु औषधीय पौधो ंका खण्ड भी विकसित किया गया हैं।

आउटडोर मॉडल्स में डायनासोर, पी.एस.एल.वी. का मॉडल, पवन चक्की, मुख्यतः दर्शकों को आकर्षित करते है। विज्ञान उद्यान में प्राकृतिक हरियाली के बीच खुले में उर्जा, क्रिया–प्रतिक्रिया, दृष्टि भ्रम, खनिज, गणित, यांत्रिकी ध्वनी, पुल आदि के सिद्धान्तों पर आधारित मॉडल्स स्थापित हैं। इसके अतिरिक्त फन साईन्स इनडोर गैलरी , इन्फोरमेशन टेक्नोलोजी दीर्घा भी स्थापित है।जिसके अन्तर्गत विभिन्न कम्प्यूटर अनुप्रयोग व संचार तकनीक प्रदर्शन के साथ–साथ ''तारा–मण्डल'' द्वारा अंतरिक्ष के रहस्यों को भी दर्शकों को प्रदर्शित किया जाता हैं। उद्यान में रोटेटिंग ग्रेनाइट पिलर का फंव्वारा भी स्थापित है जो कि हाइड्रोस्टेटिक बियरिंग आधार पर चलता है।

उद्यमिता विकास प्रभाग

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी वर्ग के बेरोजगार व्यक्तियों को स्वयं का रोजगार प्रारम्भ करने एवं इस संबंध में अधिकाधिक जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, लघु उद्योग विकास बैंक एवं अन्य संस्थाओं के वित्तीय एवं तकनीकी सहयोग से उद्यमिता विकास कार्यक्रम, स्किल डवलपमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त विभाग द्वारा उद्यमिता जागृति शिविर (तीन दिवसीय) एवं उद्यमिता प्रोत्साहन शिविरों का राज्य के विज्ञान महाविद्यालय, पोलीटेकनीक महाविद्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में आयोजित किये जा रहे हैं।

- उद्यमिता विकास कार्यक्रम
- तकनीकी आधारित उद्यमिता विकास कार्यक्रम
- उद्यमिता जागृति शिविर

अनुसंधान एवं विकास प्रभाग

अनुसंधान एवं विकास प्रभाग के अंतर्गत विभाग द्वारा ऐसे कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करने के लिये वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है जो राज्य के साधारण नागरिक के जीवन स्तर में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से व्यापक सुधार करने में सहायक सिद्ध हो।

- अनुसंधान एवं विकास परियोजनायें
- विद्यार्थी परियोजना कार्यक्रम
- कार्यशाला/सेमीनार/कान्फ्रेन्स/मीटिंग्स
- परम्परागत अनुसंधान एवं विकास परियोजनायें
- एप्लाईड रिसर्च सेंटर
- भारत सरकार द्वारा पोषित अन्य परियोजनायें

जैव प्रौद्योगिकी

पिछले चार दशक आधुनिक जीव विज्ञान के युग का प्रतिनिधित्व करते हैं। कम्प्यूटर आधारित सूचना, संचार तथा प्रभावशाली यंत्रीकरण के क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति के साथ–साथ जीव विज्ञान, खाद्य, चारा पशु उत्पादकता, जन स्वास्थ्य, पर्यावरण व उर्जा के क्षेत्रों में नये तथा अब तक अकल्पित उत्पादों एवं प्रक्रियाओं के अग्रदूत के रूप में सामने आया है। जैव प्रौद्योगिकी वास्तव में सूक्ष्म जीवों, जन्तु एवं पादप कोशिकाओं अथवा उनके अवयवों के नियंत्रित उपयोग से मानव के लिये उपयोगी उत्पादों का उत्पादन है। अतः भविष्य में जैविक साधनों का उपयोग, बढी हुई कृषि उत्पादकता, पोषण सुरक्षा, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली स्वच्छ वातावरण और रोजगार अवसरों के सृजन में सहायक होगा।

जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सर्वांगीण विकास की प्रबल सम्भावना को देखते हुऐ तथा राज्य को इस क्षेत्र में एक सुदृढ़ आधारभूत ढांचा प्रदान करने हेतु जैव प्रौद्योगिकी नीति नीति राजस्थान के आर्थिक व सामाजिक विकास में जैव प्रौद्योगिकी का समुचित उपयोग हो इस तथ्य को ध्यान में रखकर बनाई गई है।

जैव प्रौद्योगिकी नीति के प्रमुख उददेश्य हैं :—

- राजस्थान राज्य को जैव प्रौद्योगिकी आधारित उद्योग/व्यापार स्थापित करने व उसे विकसित करने के लिए आदर्श क्षेत्र बनाने का प्रयास करना।
- सरकारी व निजी क्षेत्रों के संयुक्त प्रयासों से राज्य में जैव प्रौद्योगिकी संस्थाओं को स्थापित करना व लगातार उन्नयन करते रहने की चेष्टा करना।
- जैव प्रौद्योगिकी के लिए मानव संसाधनों का विकास करना।

जैव प्रोद्योगिकी नीति के अन्तर्गत राज्य की वर्तमान स्थिति को देखते हुए निम्न बिन्दुओं पर विशेष ध्यान केन्द्रिंत करने का प्रस्ताव किया गया हैः—

- कृषि एवं पादप जैव प्रौद्योगिकी
- चिकित्सीय जैव प्रौद्योगिकी
- पशु जैव प्रौद्योगिकी
- जैव प्रक्रम एवं उत्पाद विकास
- जैव विविधता एवं जैव स्त्रोत
- जैव सूचना तन्त्र
- महिलाओं के लिये जैव प्रौद्योगिकी
- मानव संसाधन विकास

पेटेन्ट सूचना केन्द्र

बौद्धिक सम्पदा अधिकार के प्रति जागरूकता हेतु पेटेन्ट सुविधा केन्द्र प्रौद्योगिकी सूचना एवं पूर्वानुमान परिषद, (टाईफेक) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की तकनीकी सहायता द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग मुख्यालय जयपुर में पेटेन्ट सूचना केन्द्र स्थापित है।

पूछताछ

आर एण्ड डी तथा अन्य तकनीकी मामलो से संबंधित कोई भी पूछताछ/शिकायत संबंद्व प्रभाग प्रमुख से की जाय। शिकायत पर शीघ्रता से कार्यवाही/निवारण करने के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे।

सिटीजन चार्टर हेतु इस विभाग से नोड्ल अधिकारी/सम्पर्क अधिकारी निदेशक को बनाया गया है।

संपर्क अधिकारी का पताः

आयुक्त,
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग,
506, चतुर्थ मंजिल, मिनी सचिवालय,
जयपुर

दूरभाष न. 2200007 (कार्यालय)

e-mail : director-dst@rajasthan.gov.in

Website :- www.dst.rajasthan.gov.in.

विभिन्न कार्यक्षेत्रों के प्रभागीय प्रमुखों के पते तथा टेलीफोन नम्बर नीचे दिए गये हैं।

परियोजना निदेशक मुख्यालय	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 506, चतुर्थ मंजिल, मिनी सचिवालय, जयपुर दूरभाष न. 2200726 e-mail : director-dst@rajasthan.gov.in
परियोजना निदेशक SRSAC जोधपुर	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, पाल रोड़, सुभाष नगर, जोधपुर दूरभाष न. 0291– 2785105, 2786480 फैक्स :– 2785531, e-mail : srsacju@yahoo.co.in
अनुसंधान अधिकारी क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र एवं विज्ञान उद्यान	**क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र एवं विज्ञान उद्यान,** **अनुसंधान अधिकारी** शास्त्री नगर, जयपुर दूरभाष न. 2304654 e-mail: scienceparkjaipur@gmail.com
मुख्यालय अधिकारी ,	**लेखा शाखा,** मुख्य लेखाधिकारी , 506, चतुर्थ मंजिल, मिनी सचिवालय, जयपुर दूरभाष न. 2200696
	योजना शाखा, उपनिदेशक ,योजना 506, चतुर्थ मंजिल, मिनी सचिवालय, जयपुर दूरभाष न. 2200307
	संस्थापन शाखा, परियोजना निदेशक 506, चतुर्थ मंजिल, मिनी सचिवालय, जयपुर दूरभाष न. 2200307
	अनुसंधान एंव विकास प्रभाग, जैवप्रौद्योगिकी प्रभाग परियोजना अधिकारी, 506, चतुर्थ मंजिल, मिनी सचिवालय, जयपुर दूरभाष न. 2202041
	विज्ञान एंव समाज प्रभाग परियोजना अधिकारी, 506, चतुर्थ मंजिल, मिनी सचिवालय, जयपुर दूरभाष न. 2200307
	उद्यमिता विकास प्रभाग परियोजना अधिकारी, 506, चतुर्थ मंजिल, मिनी सचिवालय, जयपुर दूरभाष न. 2200307
	विज्ञान लोकप्रियकरण प्रभाग,

	परियोजना निदेशक, 506, चतुर्थ मंजिल, मिनी सचिवालय, जयपुर दूरभाष न. 2200696
	पेटेन्ट सूचना केन्द्र , परियोजना अधिकारी, 506, चतुर्थ मंजिल, मिनी सचिवालय, जयपुर दूरभाष न. 2200696
क्षेत्रिय कार्यालय अजमेर	
अजमेर , कार्यक्षेत्र :– जिला जयपुर, अलवर, भरतपुर, अजमेर, धौलपुर, दौसा	परियोजना अधिकारी, 312,द्वितिय मंजिल, मिनी सचिवालय, जयपुर दूरभाष न. 2200696 email: roajmer@yahoo.co.in
जोधपुर , कार्यक्षेत्र :– जिला जोधपुर, पाली, बाडमेर, जैसलमेर, सिरोही,जालौर	परियोजना अधिकारी सरसेक कैम्पस, पाल रोड, सुभाष नगर, जोधपुर दूरभाष न. 0291–2785301 2785531(फैक्स) email: dstjodhpur@gmail.com
कोटा , कार्यक्षेत्र :– जिला कोटा, बारां, झालावाड, करौली, सवाईमाधोपुर, टोंक, बुंदी	परियोजना अधिकारी, छत्र विलास पैलेस, डी.सी.एम. रोड़, कोटा दूरभाष न. 0744–2363778 2364819(फैक्स) email: dstkota@gmail.com
उदयपुर , कार्यक्षेत्र :– जिला उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़, भीलवाड़ा, बांसवाड़ा, डूंगरपुर	परियोजना अधिकारी, चित्रकूट नगर, भुवाणा, उदयपुर दूरभाष न. 0294–2803542 2490345(फैक्स) email: udaipurdst@gmail.com
बीकानेर , कार्यक्षेत्र :– जिला बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ, चूरू,झुनझनू, सीकर,नागौर	अनुसंधान अधिकारी नागणेचीजी मन्दिर के पास, रेल्वे क्रॉसिंग रोड, मरूधर कॉलोनी, बीकानेर दूरभाष न. 0151–2226661 2209213(फैक्स) email: regionalofficebikaner@yahoo.in